

B.A. Part - I

(1)

Paper - I

Micro Economics

Munmun Choudhary

Asst. prof.

Department of

Economics,

A.S. College,

Bikramganj.

Topic - लागत और राजस्व
की धारणा (Cost and
Revenue perception)

(2) औसत लागत
(Average Cost):-

कुल उत्पादन व्यय में उत्पादन की गई कुल इकाइयों की संख्या से भाग देने से जो भागफल आता है उसे प्रति इकाई लागत या औसत उत्पादन लागत कहते हैं। यदि केवल औसत लागत कहा जाय तब उसका मतलब प्रति इकाई औसत लागत से होता है।

इस प्रकार

$$\text{औसत लागत} = \frac{\text{कुल उत्पादन व्यय}}{\text{उत्पादन की मात्रा या इकाइयों}}$$

अथवा,

$$\text{Average cost} = \frac{\text{Total cost}}{\text{Quantity or Units of Produce}}$$

(2)

उदाहरणार्थ, जब उत्पादन की गई कुल कलमों की संख्या 100 है तथा उत्पादन व्यय 500 रुपये है, अतः

$$\text{औसत लागत} = \frac{500}{100} = 5 \text{ रुपये}$$

अर्थात् 5 रुपये प्रति इकाई या प्रति कलम।

(3) सीमान्त लागत (Marginal Cost):

सीमान्त लागत किसी वस्तु की सीमान्त इकाई के उत्पादन लागत होती है। 'किसी वस्तु की अतिरिक्त इकाई के उत्पादन से कुल व्यय में जो वृद्धि होती है उसे सीमान्त लागत कहते हैं।' (Marginal cost is the addition to the cost caused by the production of one additional unit of a commodity.)

मान लिया जाय कि 100 कलमों के उत्पादन में 500 रुपये व्यय होता है। अब यदि एक अतिरिक्त कलम का उत्पादन किया जाता है अर्थात् जब 101 कलम का उत्पादन किया जाता है तो कुल उत्पादन व्यय 505 रुपये हो जाता है। इस प्रकार एक अतिरिक्त कलम के उत्पादन से कुल व्यय में (505 - 500 = 5) 5 रुपये की वृद्धि होती है। अतः कलम की सीमान्त लागत अथवा सीमान्त व्यय 5 रुपये के बराबर होगी।

(3)

उत्पादन की कुल इकाइयों में से यदि एक कम इकाई का उत्पादन होता था तो उसके कारण कुल लागत में जो कमी हो उसे भी सीमान्त लागत (Marginal Cost) कहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कलम का उत्पादन 400 से बढ़कर 99 कर दिया जाय और कुल उत्पादन लागत 500 रुपये से बढ़कर 495 रुपये हो तो सीमान्त लागत $(500 - 495 = 5)$ 5 रुपये के बराबर होगी।

औसत लागत तथा सीमान्त लागत में संबंध
 [Relationship between Average cost and Marginal Cost]

उपर्युक्त विवरण के आधार पर औसत लागत एवं सीमान्त लागत में अंतर स्पष्ट रूप से समझ आती है। निम्नांकित तालिका में कुल लागत, सीमान्त लागत एवं औसत लागत को दिखलाया गया है जिसके आधार पर हम औसत लागत एवं सीमान्त लागत के बीच संबंध को स्पष्ट कर सकते हैं। - तालिका - 1

उत्पादन की इकाई (Units produced)	कुल लागत (Total Cost)	सीमान्त लागत (Marginal Cost)	औसत लागत (Average cost)
	50	50	50
1	90	40	45
2	120	30	40
3	140	20	35
4	175	35	35
5	228	53	38
6	294	66	42

(4)

~~उपर~~ ऊपर की तालिका से स्पष्ट है कि प्रारम्भ में औसत लागत एवं सीमान्त लागत दोनों घटती हैं लेकिन सीमान्त लागत के कम होने की दर औसत लागत के कम होने की दर से अधिक है। उसी प्रकार पंचवीं (ठकी) इकाई के उत्पादन के साथ औसत लागत एवं सीमान्त लागत दोनों बढ़ने लगती हैं लेकिन सीमान्त लागत की वृद्धि की दर औसत लागत की वृद्धि की दर से अधिक है। तालिका से स्पष्ट है कि जबतक औसत लागत गिरती है तबतक सीमान्त लागत उससे कम है तथा औसत लागत बढ़ने लगती है तो सीमान्त लागत उससे अधिक हो जाती है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि औसत लागत में कमी होने साथ सीमान्त लागत भी घटती है तथा औसत लागत में वृद्धि होने से सीमान्त लागत बढ़ती है लेकिन दोनों अवस्थाओं में औसत लागत की तुलना में सीमान्त लागत के गिरने या घटने अथवा उठने की गति अधिक होती है।